



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

20 कार्तिक 1942 (श10)
(सं0 पटना 861) पटना बुधवार 11 नवम्बर 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

15 जनवरी 2020

सं० 2325—पटना जिलान्तर्गत बख्तियारपुर अंचल के ग्राम— नरौली स्थित माँ जगदम्बा मन्दिर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 3966/2009 है।

उपर्युक्त विषयक न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक् विकास हेतु पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक—1411, दि०—15/10/2012 द्वारा अंचलाधिकारी, बख्तियारपुर की अध्यक्षता में 9 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। न्यास समिति गठन के पश्चात न्यास ने काफी विकास किया। बाद के कालखंडों न्यास समिति के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में मंदिर के प्रबंधन को लेकर आरोप—प्रत्यारोप लगाये गये। प्राप्त प्रतिवेदनों के आलोक में पर्षद में सुनवाई किए जाने का निर्णय लिया गया। इस बीच पर्षद को प्राप्त हुई दोनों सूचियों का चरित्र—सत्यापन हेतु संबंधित थाना को पत्र प्रेषित किया गया। दोनों सूचियों का चरित्र—सत्यापन डी०आर० नं०— 260/19, दि०— 07/03/19 एवं सालिमपुर थाना का ज्ञापांक— 1390/19, दि०— 19/11/19 द्वारा पर्षद को प्राप्त हुआ। उपरोक्त दोनों सूचियों में से सत्यापन प्रतिवेदन के आलोक में 9 सदस्यीय न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया जाता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “माँ जगदम्बा मन्दिर, ग्राम— नरौली, करौटा, था०— सालिमपुर, जिला— पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “माँ जगदम्बा मन्दिर न्यास योजना, ग्राम— नरौली, करौटा, था०— सालिमपुर, जिला— पटना” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “माँ जगदम्बा मन्दिर न्यास समिति, ग्राम— नरौली, करौटा, था०— सालिमपुर, जिला— पटना” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकालकर खर्च किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|---------------|
| (1) अनुमंडल पदाधिकारी, बाढ़, पटना | —पदेन अध्यक्ष |
| (2) श्री अनिल सिंह, पिता— श्री श्रीधर प्रसाद सिंह | —उपाध्यक्ष |
| (3) श्री अरविन्द कुमार सिंह, पिता— स्व० सरयुग सिंह | —सचिव |
| (4) श्री ओम प्रकाश पिता— स्व० नरेन्द्र प्रसाद सिंह | —कोषाध्यक्ष |
| (5) श्री शशि रंजन कुमार पिता— स्व० एतवारी मोची | —सदस्य |
| (6) श्री अशोक कुमार सिंह | —सदस्य |
| (7) श्री भुपेन्द्र पासवान पिता— स्व० महेन्द्र पासवान | —सदस्य |
| (8) श्री मृत्युंजय कुमार पिता— स्व० हरेन्द्र प्रसाद सिंह | —सदस्य |
| (9) श्री राजेश्वर सिंह पिता— स्व० रामप्रसाद सिंह | —सदस्य |

सभी— ग्राम— नरौली, करौटा, था०— सालिमपुर, बख्तियारपुर, जिला— पटना।

उपर्युक्त योजना का कार्यकाल 05 वर्षों के लिए होगा। न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से किया जाता है। पर्षद के गठन के पश्चात इसके स्थायी किए जाने पर विचार किया जायेगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में माँ जगदम्बा स्थान, ग्राम- नरौली, करौटा, था0- सालिमपुर, पटना के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य न्यास की कोई भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलैन / विक्रय / पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 861-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>